बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी, दरभंगा (L.N.M.U)

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक - तृतीय खण्ड
पंचम पत्र - मैथिली साहित्यक इतिहास
(आधुनिक काल)

दिनांक 24/07/2020

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश
(प्रथम भाग)

प्रश्न 5. "विद्यापतिक युग मैथिली साहित्यक स्वर्णयुग छल" एहि उक्तिकेँ पल्लवित करू।
अथवा, विद्यापति एवं हुनक युगक मुख्य विशेषताक उल्लेख करू।

उत्तर - मैथिल कोकिल कविपति विद्यापतिक आविर्भाव तखन भेल जखन भारतीय साहित्यमे समसामयिक चेतनाक अभिव्यक्ति नहि होइत छल। समाज निश्रृंखलित भेल जाइत छल। लोकक समक्ष कोनो आदर्श नहि छलैक। लोक पथ-भ्रष्ट भेल जाइत छल। एकर कारण छलैक राजनीतिक अस्थिरता। यवनक आधिपत्य समस्त भारत-वर्षमे पसरि गेल छल। यद्यपि ओहि कालमे मिथिला यवन शासनसँ मुक्त छल तथापि चारूकात तँ यवनेक राज्य छलैक, जनजीवन संत्रस्त छलैक। एहि संक्रान्ति समयमे महाकविक आविर्भाव भेल।

एहि समयमे संस्कृत राष्ट्रभाषा छल। परञ्च इहो अधोगतिकेँ प्राप्त कए रहल छल। संस्कृततँ जनसामान्यक भाषासँ दूर भय गेल छल। भाव मात्र ई पंडितक भाषा बनल छल। संस्कृतेतर भाषामे रचना करब गर्हित बुझना जाइत छलैक, विद्वतासमाजमे अनादृत होमय पड़ैत छलैक। एहि प्रपंचयक प्रकोपतँ महाकवि पर सेहो पड़ले छलनि। मुदा विद्यापति एहि

परिधिमे सीमित नहि रहि सकलाह, ओ भारतीय साहित्यचिन्तन कैँ नवीन दिशा देलनि, अपन वाग्वैभवसँ समस्त भारतीय साहित्यकैँ महिमामंडित कएलनि।

मैथिली गीत साहित्यक कुञ्जीतँ असलमे इएह जन्मदाता छथि। जनभाषाक आश्रय लय ओ जे गीतक रचना कएलनि ओ हिनक यशक मेरुदण्ड बनल। ग्रामक हरवाह- चरवाहसँ लय विद्वान सभक मुँहसँ सेहो हिनक पदक गान प्रारम्भ भेल। राजमहलसँ लय गरीबक झोपड़ी पर्यन्त हिनक गीतसँ गुञ्जित होमय लागल। एहि युगक विशिष्टताक कारण ई छल जे जान्य-देव संगीत एवं गीत परम्पराकैं ओ पहिने परिपूर्ण कयने छलाह। ज्योतिरीश्वर ठाकुरक वर्णरत्नाकर एव सिद्धचार्य लोकनिक चर्यापद सेहो एकर संवर्धन करलक। एकर दोसर प्रधान कारण छल संस्कृतक भाषाक अधोपतन। संस्कृतक पंडितक छवि सीमित भेल जाइत छल। प्राकृत नीरस भय भेल छल एहिमे रसपुष्टिक सामर्थ्य नहि छलैक। अस्तु महाकवि जन-सामान्यक हेतु जन भाषामे काव्य रचना कए सभक कण्ठहार बनि गेलाह।

कवि देसिल बयनाकैं अपन मनोगत भावक अभिव्यक्तिक हेतु स्वीकार करलनि एवं एकर उपायदेयता सिद्ध करैत उद्घोषणा करलनि जँ-

'सक्कय वाणी बहुअन भावइ,
पाउ रस को मम न पावई।
देसिल बयना सबजन मिट्ठा,
तैं तैसन जम्पओ अवहट्ठा।"

24/07/2020